



खबर संक्षेप

दमन के खिलाफ संघर्ष करेगी बसपा : जमालपुर

भिवानी। बहुजन समाज पार्टी हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण जमालपुर ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के परिसर में छात्रों पर हुए बर्बर लाठीचार्ज और सुरक्षा गार्डों द्वारा की गई मारपीट की घटना की निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रवृत्ति की नीति में किए गए अन्यायपूर्ण बदलाव के खिलाफ शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर जिस तरह से हमला किया गया, वह ना केवल अमानवीय है बल्कि शिक्षा के मंदिरों को दमन का अड्डा बनाने जैसा है।

रामकिशन शर्मा को मिली संयोजक की जिम्मेदारी

लोहारू। बुधवार को जारी हुई भाजपा के विभिन्न मंडलों के संयोजक और सह संयोजकों की सूची में लोहारू भाजपा मंडल के संयोजक की जिम्मेदारी श्री ब्रह्मण महासभा के पूर्व प्रधान रामकिशन शर्मा टीकेवाला को दी गई है। उनकी इस नियुक्ति पर महासभा के सदस्यों और अनेक भाजपा नेताओं ने उन्हें बधाई दी है। बता दें कि लोहारू भाजपा मंडल जारी हुई सूची में रामकिशन शर्मा टीकेवाला को संयोजक और, कुलदीप श्योरण बसीरवास, हरिसिंह बरालू, मनोज सिरावाग, राजकुमार सरपंच सोहंसांरा को मंडल सह संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है।

कॉलेज गई लड़की नहीं लौटी घर

लोहारू। उपमंडल के एक गांव से कॉलेज में पढ़ने गई छात्रा वापिस अपने घर नहीं लौटी। युवती के पिता ने लोहारू पुलिस थाने में छात्रा की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दी शिकायत में युवती के पिता ने बताया कि उसकी करीब 22 वर्षीय बेटी हमेशा की तरह घर से कॉलेज के लिए निकली थी। लेकिन सांय को वह कॉलेज के बाद घर नहीं लौटी। उसकी आस पड़ोस में भी काफी तलाश की गई लेकिन वह नहीं मिली। लोहारू पुलिस ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

सगे माइयों के घर दो बेटियों ने जन्म लिया

बाढ़ड़ा। खंड के गांव मांड़ी केहर में दो सगे भाइयों के घर दो बेटियों के जन्म लिया, जिससे स्वजनों ने जमकर खुशी मनाई। बेटियों के जन्म की खुशी में परिवार में ग्रामीणों का मुह मीठा करवाया और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश देते हुए कन्या कुआं पूजन किया। गांव मांड़ी केहर निवासी सुरेश ठेकेदार के पुत्र पुष्पेंद्र और हेमंत के कन्याओं ने जन्म लिया तो एक साथ कुंआ पूजन और सामाजिक रूप दिशोष्ठन प्रतिभोज कार्यक्रम आयोजित कर समाज को लड़का और लड़की में भेदभाव नहीं करने का संदेश दिया। रूहानी नवजात कन्या के पिता कनिष्ठ अभियंता पुष्पेंद्र ने बताया कि बेटी के जन्म से परिवार में खुशी का माहौल है।

कर्मचारियों को पक्का करने की उठाई मांग

बाढ़ड़ा। सीट जिला प्रधान कमलेश भैरवी जिला सचिव सुमेर सिंह ने कहा की लेबर कोड रद किए जाएं, सभी श्रम कानून, सभी उद्योगों एवं सरकारी क्षेत्र में शक्ति से लागू किए जाएं, परियोजना वर्कर्स एवं कच्चे कर्मचारियों को पक्का करो, न्यूनतम वेतन 26 हजार घोषित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि नौ जुलाई को राष्ट्रीय व्यापी हड़ताल होगी। सीट नेताओं ने जोर देकर कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा कॉरपोरेट जगत की चिन्ता की जा रही है, जबकि देश व प्रदेश का मजदूर, किसान नारकीय जीवन जी रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी ने आम जनता का जीना मुश्किल कर दिया है।

सिरसा रैली का नजला मुसाफिरों पर पड़ा

रोडवेज ने मुसाफिरों से किनारा किया, निजी बसों ने दिया सहारा

लोकल रूटों पर न के बराबर चली बसें, निजी वाहन चालकों ने काटी चांदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

सिरसा रैली का नजला भिवानी के विभिन्न जगहों पर जाने वाले मुसाफिरों पर पड़ा। भिवानी से सिरसा के लग 70 बसें रवाना करने के बाद बस स्टैंड पर गिनती की बसें रह गईं। अब रोडवेज प्रशासन के सामने अजीब सी परिस्थितियां बन गईं। वे बाकी बची बसों को लंबी दूरी पर भेजे या लोकल रूटों पर। कुछेक बसों को लंबी दूरी तो कुछेक बसों को बीच बीच में लोकल रूटों पर चलाया गया। उसके बाद भी लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में जबरदस्त परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि निजी बसों ने लोगों को उनके घरों या गंतव्य तक पहुंचा, लेकिन लंबी दूरी का सफर करने वाले लोगों को घंटों तक गर्मी के मौसम में बस अड्डे पर ही खड़ा रहना पड़ा।

शाम तक इसी तरह की समस्या का लोगों को सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि सिरसा में संत कबीर दास जयंती पर सीएम नायाब



भिवानी। खाली पड़ा बस अड्डे का दृश्य व बसों का इंतजार करती सवारी।



फोटो :हरिभूमि

लोगों की हुई फजीहत

रोडवेज के बेड़े में बसों की संख्या बढ़ने की वजह से लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में काफी परेशानी उठानी पड़ी। सबसे ज्यादा लंबी दूरी के रूटों पर समस्या हुई। इन गांवों पर कई घंटों में रोडवेज की बसें मिलीं। जिस के चलते लोगों को इस गर्मी के मौसम में बस अड्डे पर ही बैठकर बस का इंतजार करना पड़ा। यही लोकल रूटों की स्थिति बनी। लोकल रूटों पर बसों के अभाव कई बसों के समय रद्द किए गए। जिनमें लोहारू, बहल, जौड़, झुंझर, तोशम के अलावा हिसार का रूट भी बुरी तरह से प्रभावित रहा। इन रूटों पर केवल निजी बसें ही चलीं। जिन्होंने लोगों को गंतव्य तक पहुंचाया।

सिंह सैनी को पहुंचना था। जिसके लिए भिवानी से सिरसा के लिए 70 बसें निर्धारित की गईं।

ये सभी बसें भिवानी के विभिन्न जगहों से लोगों को बैठाकर सिरसा लेकर जाएंगी। बताया जा रहा है कि भिवानी डिपो में 124 बसें हैं। जिनमें से 70 बसों को सिरसा के लिए

रवाना कर दिया गया। पीछे 54 बसों से ही पूरा हरियाणा में यात्रियों को पहुंचाना था। हालांकि बाद में 16 बसों में सिरसा के लिए कोई भी सवारी न बैठने की वजह से वे बस वापस आ गईं। पर उसके बावजूद भी बसों की भंयकर किल्लत बनी रही।

निजी वाहन चालकों ने काटी चांदी

बसों के अभाव में आज निजी वाहन चालकों ने जबरदस्त चांदी काटी। बसों के अभाव में खासकर आँटो चालकों ने लोगों से मनमाफिक किराया वसूला। कई वाहन चालकों ने तो दो दो से तीन गुणा तक किराया वसूल किया। साथ ही बसों की कमी के चलते आँटो व अन्य निजी वाहनों में दोगुनी सवारी बैठाई। स्वराज्यों को सीटें न मिलने की वजह से उनको वाहनों में लटक कर गंतव्य तक पहुंचना पड़ा। यह स्थिति सभी रूटों पर बनी हुई थी।

गांव रामपुरा निवासी पुनीत शर्मा ने बढ़ाया जिले का गौरव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

गांव रामपुरा निवासी पुनीत शर्मा का चयन लेफ्टिनेंट पद पर हुआ है। बुधवार को पुनीत के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में ग्रामीणों और गणमान्य नागरिकों ने पुनीत को बधाई दी।

ज्ञात रहे कि पुनीत शर्मा एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता राजेश शर्मा भी सेना से रिटायर्ड हैं। पिता राजेश से प्रेरणा लेकर ही पुनीत से देश सेवा का लक्ष्य चुना। इस अवसर पर ब्राह्मण

अस्पताल ले जाते वक्त आरोपी ने की थी हरीश गुलाटी की वीडियो रिकॉर्डिंग

मृतक की पत्नी के बयान 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवाणीखेड़ा

बवाणी खेड़ा युवा नेता हरीश गुलाटी के जहर निगल कर अपनी जीवन लीला समाप्त करने के मामले में पुलिस ने पत्नी के बयान पर 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस में दी शिकायत में मृतक हरीश की पत्नी काजल ने बताया कि सोमवार को वह सांय लगभग 5 बजे घर से बाहर सब्जी लेने गई थी और घर आई तो मेरे पति ने मुझे कहा कि मैंने जहरीला पदार्थ निगल लिया है। उसी समय 4-5 लोग घर पर आए और हमें गाली गलोच करने

हरीश गुलाटी ने कर्जदारों से तंग आकर जीवनलीला का कर लिया अंत

लगे व मेरे व मेरे बच्चों के साथ बतमीजी करने लगे जिसमें से एक ने जान से मारने की धमकी दी। जब हम हरीश को अस्पताल लेकर जाने लगा तो उसने अपने फोन में वीडियो बनाई तथा बोला की ये ड्रामा कर रहा है। वह पहले भी घर पर आकर जान से मारने की धमकी देकर गए थे। मृतका की पत्नी ने बताया कि

उसके पति ने सांस छोड़ने से पहले सुसाइड नोट के बारे में उसे बताया कि इन व्यक्तियों द्वारा उसे मरने पर मजबूर किया। पुलिस ने मृतक की पत्नी के बयान पर 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि विगत में बवाणीखेड़ा निवासी हरीश ने जहरीला पदार्थ का सेवन करके अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इससे पहले मृतक ने एक सुसाइड नोट भी लिखा। जिसमें लिखा है कि उसको आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया है। जिनके नाम सुसाइड नोट में दर्ज हैं।

डीएपी खाद की आपूर्ति टप, किसानों में रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढ़ड़ा

पिछले दो माह से दक्षिणी हरियाणा में डीएपी खाद की किल्लत ने किसानों के परेशान करके रख दिया है। जिले के सहकारी पैरस केन्द्रों या निजी खाद बीज बिक्री केन्द्रों पर डीएपी खाद का संकट होने से किसानों को खरीफ सीजन की कपास के बाद अब ग्वार बाजारा की बिजाई

■ किसानों को ग्वार-बाजारा की बिजाई में आ रही है परेशानी को लेकर समस्या पैदा हो गई है। वहीं किसान संगठनों ने सरकार से तत्काल प्रभाव से डीएपी उपलब्ध करवाने की मांग की है। जिले में लगभग चार हजार बैगों की आज से आपूर्ति शुरू होने से किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है। प्रदेश के दक्षिणी हरियाणा में कपास को नकदी फसल के रूप में माना जाता है जो रबी की कटाई के साथ ही खरीफ फसलों बिजाई की जाती है, लेकिन अब की बार कपास की बिजाई करने वाले किसानों को डीएपी उपलब्ध नहीं होने से उनको मजबूरीवश बिना खाद ही बिजाई करनी पड़ी और अब ग्वारा बाजारा के बिजाई के दौर में यही हालात है। कपास की फसल में पौधों के सर्वांगीण विकास के



सहकारी पैरस केंद्र।

लिए लिए आवश्यकता होती है, इसमें मुख्य तत्व नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश एनपीके को एक संतुलित मात्रा में डाला जाता है। किसान अतर सिंह, सतपाल सिंह, रामफल श्योरण, सत्यनारायण शर्मा, धर्मेश काकड़ौली, राजेश व अजय आदि ने कहा कि मौजूदा समय में प्रशासन क्षेत्र के किसानों के साथ हर क्षेत्र में सतैला बर्ताव कर रहा है। रबी सीजन में किसानों को डीएपी व यूरिया पुलिस स्टेशनों में लंबी लंबी लाइनों में खड़ा रहकर प्राप्त करनी पड़ रही थी, जिस पर सांसद, विधायकों ने दावा किया कि भविष्य में खाद की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

सेशन जज डीआर. चालिया ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डी.आर. चालिया एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-कम-सचिव पवन कुमार ने स्थानीय जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया और कैदियों की समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान सेशन जज ने बैकों की साफ-सफाई, शौचालयों व स्नानघरों की स्वच्छता को और

कैदियों को लरित नि:शुल्क कानूनी सहायता दिलाने पर दिया बल

बेहतर बनाने के लिए जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने गर्मी के मद्देनजर कैदियों के लिए स्वच्छ व पर्याप्त पेयजल तथा राहत उपाय सुनिश्चित करने को कहा। सेशन जज चालिया ने जेल पुस्तकालय का निरीक्षण करते हुए कहा कि कैदियों को सामान्य शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए ताकि वे भविष्य में समाज की

मुख्यधारा से जुड़ सकें और सम्मानजनक जीवन व्यतीत करें। उन्होंने इसे कैदियों के पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने रसोईघर पहुंचकर भोजन की गुणवत्ता की जांच की और स्वयं भोजन चखकर उसकी गुणवत्ता का मूल्यांकन किया। साथ ही, जेल में स्थापित कानूनी सहायता क्लीनिक का भी निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर नवयुक्त सिविल जज (जूनियर डिविजन)-कम-न्यायिक मजिस्ट्रेट/प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारी, भिवानी सुखबीर आदि मौजूद रहे।

नवजात शिशु के लिए किया रक्तदान

भिवानी। रक्त ऐसी चीज है, जिसे किसी फेक्टरी में नहीं बनाया जा सकता। रक्त की आपूर्ति का रक्तदान के अलावा कोई और विकल्प नहीं है, ये इंसान के शरीर में स्वयं ही बनता है, ये बात रक्तदाता राजेश डूडेजा ने कही। इसी कड़ी में शतकवीर रक्तदाता राजेश डूडेजा ने बताया कि आज देर रात निजी अस्पताल में मिताथल निवासी दाखिल नवजात शिशु के लिए ओ पीजीटिव फ्रेश ब्लड की जरूरत होने पर सक्रिय रक्तदाता बृजमोहन ने रक्तदान कर बच्चे की जान बचाई। शतकवीर रक्तदाता राजेश डूडेजा ने कहा कि हमें अपने जीवन में एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इससे बड़ी मानव सेवा कोई नहीं है।



रक्तदाता को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते रक्तवीर राजेश डूडेजा।

कई बार हृदय में दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति या गर्भवती महिला रक्त के अभाव में अपनी जान तक गंवा बैठते हैं, इसीलिए जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। इस अवसर पर लेब टेक्नीशियन सतीश कुमार व सदीप जागलान उपस्थित थे।

खेलों में हार और जीत नहीं, बल्कि अनुशासन रखता है मायने : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

खेल हमें जीवन में हर परिस्थिति में जीना सीखते हैं, खेलों में हार और जीत मायने नहीं रखती। खेल हमें अनुशासन सीखता है, ये बात उपायुक्त मुनीश शर्मा ने हीरा इंडोर स्टेडियम में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कही। प्रतियोगिता के पहले दिन अनेक रोचक मुकाबले देखने को मिले। अंडर 15 ब्याज सिंगल में मोक्ष व जितन के बीच हुए मुकाबले में अंतिम क्षण में विजेता का निर्धारण हो सका। मोक्ष मैच में 15-



चरखी दादरी। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते उपायुक्त मुनीश शर्मा।

13, 11-15, 15-12 से विजेता बना। वहीं मनन ने मार्विन को अंतिम क्षणों में 15-08, 11-15, 15-06 से मात दी। हिमांशु ने केशव को 15-10, 10-15, 15-08 से मात दी। टूर्नामेंट का शुभारंभ करते हुए उपायुक्त मुनीश शर्मा व ज्वाइंट कमिश्नर

कस्टम विभाग नितिन दीपक अग्रवाल ने कहा कि जीवन में हार व जीत मात्र एक पहलू है, जबकि सबसे अधिक अगर कोई चीज महत्वपूर्ण है तो वो प्रतियोगिता में पूरी ताकत व ईमानदारी के साथ चुनौती को खरना। अंडर 15 गर्ल्स सिंगल में रिदम ने जाहनवी को मात दी। इसी वर्ग के गर्ल्स डबल में पूर्वी व तनिष्का की जोड़ी ने तनवी व ओवी को हराया। 13 गर्ल्स सिंगल में सायना ने ताक्षी को 15-06, 15-08 से मात दी। इसी वर्ग के ब्याज अंडर 13 के मुकाबलों में प्रत्युष ने नक्ष को 15-04, 15-07 से हराया।



युर्वेदिक चिकित्सा से निरोग जीवन की ओर प्रेरित करना शिविर का उद्देश्य: डॉ. शेफाली

आयुर्वेदिक परंपराओं को पुर्नर्जीवित करने में मजबूत कदम नाड़ी जांच शिविर: डॉ. सुरेश

भिवानी। मिनी बाईपास रोड स्थित सुखायु आयुर्वेद एंड पंचकर्मा सेंटर द्वारा विशेष नाड़ी जांच शिविर का आयोजन किया, जिसमें अनेक लोगों ने भाग लेकर आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति नाड़ी परीक्षण पर आधारित था। शिविर की आयोजक डॉ. शेफाली रखेजा, डॉ. सुरेश वैद्यवाहारे व डॉ. सुनील शर्मा ने 145 मरीजों की नाड़ी की गति, गहराई और लक्षणों के आधार पर उनकी बीमारियों की पहचान की। शिविर में पांच संबंधी विकार, मानसिक तनाव, उच्च रक्तचाप, थायरॉइड, शारीरिक दुर्बलता और स्त्री रोगों जैसी समस्याएं प्रमुख रहीं। डॉ. शेफाली ने बताया कि उनका उद्देश्य आयुर्वेदिक चिकित्सा के माध्यम से लोगों को रोगमुक्त एवं निरोग जीवन की ओर प्रेरित करना है। भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे।

दुकानदारों को दो दिन की मोहल्लत दी , अतिक्रमणकारियों पर चलेगा नप का चाबुक

एक सप्ताह तक पूरे शहर के अतिक्रमणकारियों के खिलाफ होगा एक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

अब शहर व सरकूलर मार्ग पर दुकानों से बाहर फुटपाथ पर सामान रखने वालों की खैर नहीं। नगरपरिषद ने विभिन्न बाजारों व सरकूलर मार्ग वर अतिक्रमण करे बड़े दुकानदारों व को दो दिन की मोहल्लत दी है। वे अपने सामान को अपनी हद या दुकान के अंदर रखें। अगर उसके बाद भी उनका सामान बाहर मिलता है तो दो दिन बाद नगरपरिषद पूरी टीम के साथ बाजार व सरकूलर मार्ग पर उतरेगी।



भिवानी। दुकानों के आगे रखा सामान व शहर के एक बाजार में फुटपाथ पर रखा गया सामान का दृश्य।



फोटो :हरिभूमि

फुटपाथों पर जो भी सामान मिला। उसको जब्त किया जाएगा। साथ में उस पर जुर्माना भी होगा। इनके

अलावा बाजार में गलियों में चबूतरा बनाए बैठे लोगों के लिए भी बुरी खबर। उन पर दो दिन बाद से

जेसीबी का पिला पंजा चलेगा। नप यह अभियान एक दिन नहीं बल्कि पूरे सप्ताह तक चलाएगी। अगर

उसके बाद भी जरूरत पड़ी तो नगरपरिषद इस अभियान को कुछ आगे भी बढ़ाएगी।

उसके बाद भी जरूरत पड़ी तो नगरपरिषद इस अभियान को कुछ आगे भी बढ़ाएगी।



आज के दौर में अधिकतर लोग किसी न किसी प्रकार के तनाव से ग्रस्त नजर आते हैं। इससे मुक्ति पाने के लिए आप एक सरल योगसन का रोज अभ्यास कर सकते हैं। इसकी विधि और सावधानियों के बारे में विस्तार से जानिए।

रोज करें आनंद बालासन रहें तनावमुक्त-आनंदित

योगोपाचार

दिव्यज्योति 'नंदन'

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में हर कोई इतना व्यस्त है कि लोग चाहेकर भी अपनी सेहत का सही से ध्यान नहीं रख पाते हैं, जिस कारण तनाव में रहते हैं और इस तनाव के चलते उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं झेलनी पड़ती हैं। ऐसी जीवनशैली जीने के लिए मजबूर लोगों को उनके तनावों से छुटकारा पाने के लिए योग विशेषज्ञ हर दिन आनंद बालासन योग करने की सलाह देते हैं। आनंद बालासन योग को हैप्पी बेबी पोज भी कहा जाता है। यह एक रिलैक्सिंग योगासन है। इसे हर दिन किया जाए तो कोई कितनी ही परेशानियों से क्यों न घिरा हो, लेकिन इस योगासन की बदौलत वह किसी हद तक तनाव मुक्त हो जाता है, जिससे उसे न



सिर्फ मानसिक राहत मिलती है बल्कि कई तरह की शारीरिक समस्याओं से भी छुटकारा मिल जाता है। इसे करने के फायदे: यह योगासन तनाव और चिंता कम करता है। इसे नियमित करने से पीठ दर्द में आराम मिलता है। पाचन तंत्र मजबूत होता है। शरीर का लचीलापन बढ़ता है। इसे नियमित करने से नींद की गुणवत्ता सुधरती है। शरीर में एनर्जी बढ़ती है। कब्ज, गैस और ब्लोटिंग जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। रीढ़ की हड्डी और हैमिस्ट्रिंग मजबूत होती है। इतने सारे फायदे मिलने से इसे नियमित करने वाले लोग बच्चे की तरह खुशी और बेफिक्री महसूस करने लगते हैं। इसीलिए इस योगासन को आनंद बालासन कहते हैं।

आनंद बालासन करने की विधि: इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले अपने योगा मैट पर पीठ के बल सीधे लेटे जाएं। ध्यान रखें, इस दौरान आपको रीढ़ की हड्डी सीधी हो। अब धीरे से अपने दोनों पैरों को ऊपर की ओर उठाएं और दोनों घुटनों को सीने के नजदीक लाएं। इस दौरान

अपने दोनों पैरों के मध्य दूरी बनाएं और फिर आहिस्ता से दोनों हाथों के जरिए पैरों को मोड़ लें तथा पैरों के तलवों को छत की ओर रखें और घुटनों की मदद से नब्बे डिग्री का कोण बनाएं। इस पोज में रहने के दौरान अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करें। इसके लिए गहरी सांस लें और फिर उसे धीरे-धीरे रिलीज करें। पैरों को पकड़ने के बाद उन्हें अपने सीने की ओर बालसुलभ भाव से खींचें जैसे छोटे बच्चे करते हैं। इस आनंद की मुद्रा में शरीर को 30 सेकेंड से 1 मिनट तक रखें। उसके बाद शरीर को कुछ देर के लिए रिलैक्स छोड़ दें। इससे तन और मन दोनों को शांति मिलती है। इस मुद्रा से बाहर आने के लिए धीरे से अपने पैरों को छोड़ें और घुटनों को वापस अपनी छाती की ओर लाएं। अब धीरे-धीरे अपने पैरों को मैट पर फैला लें।

क्या सावधानियां बरतें: आनंद बालासन बहुत फायदेमंद होता है लेकिन इसे करते समय कुछ सावधानियां अवश्य बरतें। अगर आपको हर्निया या स्पाइनल स्टेनोसिस जैसी कोई स्वास्थ्य संबंधी परेशानी है तो यह योगासन करने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह लें। सलाह न भी लें तो भी यदि योगासन के दौरान दर्द या असुविधा महसूस हो रही हो तो

तुरंत इसे करना बंद कर दें और योग शिक्षक से उसकी वजह जानें। जिन लोगों को घुटनों और टखनों की चोट लगी हो उन्हें यह आसन करने से बचना चाहिए। इस बात का भी ख्याल रखें कि इस आसन को करते समय शरीर को ज्यादा झटके से न हिलाएं अन्यथा रीढ़ की हड्डी को नुकसान हो सकता है। आनंद बालासन करने के बाद, कुछ देर के लिए शवासन की मुद्रा में आकर आराम करना चाहिए। गर्भवती महिलाएं यह आसन न करें। स्लिप डिस्क या रीढ़ की समस्या से पीड़ित लोग भी इसे न करें। हाल ही में पेट की सर्जरी करवाने वाले व्यक्ति, हर्निया या अपच के पेशेंट, जिन्हें हो घुटनों या कूल्हों में दर्द की शिकायत उन्हें यह आसन नहीं करना चाहिए।

ये आसन करना फायदेमंद: आनंद बालासन के पहले आप सुप्तबद्ध कोणासन और पवनमुक्तासन का अभ्यास कर सकते हैं। आनंद बालासन के बाद आप सेतु बंधासन, सुप्त मत्स्येन्द्रासन और शवासन का अभ्यास कर सकते हैं। ऐसा करना और भी फायदेमंद रहेगा। *

डाइट सजेसन

ललिता गोयल

गर्मी का मौसम पाचन तंत्र के लिए अनुकूल नहीं होता है। लोगों को बहुत सारी पाचन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में मौसम के हिसाब से डाइट में बदलाव नहीं करने पर हेल्थ पर बुरा असर हो सकता है। गर्मी के मौसम में वॉमिट और पेट में जलन जैसी समस्या भी आम होती है। इसलिए इस मौसम में हेल्दी रहने के लिए डाइट का खास ध्यान रखना चाहिए। गर्मियों में ठंडी तासीर वाली चीजों को डाइट में शामिल करने से सेहत दुरुस्त रहती है और शरीर को पर्याप्त हाइड्रेशन भी मिलता है। ऐसे में शरीर में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखने वाली चीजों को डाइट में शामिल करना चाहिए। आइए जानते हैं कि गर्मी के मौसम में डाइट में किन फूड्स को शामिल करके हेल्दी रहा जा सकता है?

तरबूज

तरबूज में पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है और यह एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इसलिए इसका सेवन शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, इन्फ्लेमेशन कम करने में मदद करता है और इस



मौसम में होने वाली शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता। तरबूज में विटामिन सी, ए और पोटेशियम जैसे पौष्टिक तत्व भी होते हैं, जो शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स को बनाए रखने में मदद करते हैं।

खीरा

खीरा भी एक हाइड्रेटिंग फूड है, जो पानी से भरपूर होता है और इसका सेवन करने से कैलोरी भी ज्यादा नहीं कंज्यूम होती। यह शरीर के तापमान को रेगुलेट करने में मदद करता है और टॉक्सिन को फ्लश आउट करने में सहायक होता है इसलिए गर्मियों में खीरे को डाइट में शामिल करना, सेहत के



लिए एक बेहतर ऑप्शन है। खीरा शरीर को हाइड्रेटेड रखने और ठंडक देने के साथ-साथ शरीर में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाने, डाइजेशन को सुधारने और स्किन हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करता है। लंच से आधे घंटे पहले सलाद के तौर पर खीरा खाना चाहिए।

नारियल का पानी

गर्मियों में नारियल का पानी शरीर के लिए काफी लाभदायक रहता है। इसमें पोटेशियम, मैग्नीशियम, सोडियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं। गर्मियों के

हम जानते हैं कि ज्यादा गर्मी की वजह से शरीर के बीमार होने का रिस्क बढ़ जाता है, शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और डिहाइड्रेशन का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा कमजोरी और थकान महसूस होना भी आम बात है इसलिए मौसम के हिसाब से आपको अपना डाइट प्लान बनाना बहुत जरूरी है। इस बारे में यूजफुल सजेसंस।

डाइट में शामिल करें ये फूड-लिविड इस सीजन में आप रहेंगे हेल्दी



दौरान नारियल पानी पीने से पसीने के रूप में फ्लूइड लॉस से शरीर को बचाता है और शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है।

पुदीना

पुदीना गर्मियों में शरीर के लिए एक रिफ्रेशिंग इंग्रिडिएंट्स का काम करता है और शरीर पर इसका काफी कूल प्रभाव होता है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ इन्फ्लेमेशन कम करने में भी मददगार होता है। गर्मियों में पुदीने को सलाद, ड्रिंक्स या फिर चटनी आदि में मिला कर लिया जा सकता है। पुदीना डिटॉक्स वॉटर की तरह काम करता है और इससे डाइजेशन दुरुस्त होता है, साथ ही यह स्किन हेल्थ में भी सुधार करता है।

दही

दही में प्रोबायोटिक होते हैं, जो अच्छे बैक्टीरिया होते हैं और पाचन तंत्र के लिए लाभदायक होते हैं। यह



शरीर की गर्मी को कम करने में, इन्फ्लेमेशन को कम करने में और पेट से जुड़ी समस्याओं को कम करने में सहायक होते हैं। दही को लस्सी, स्नेक, सलाद में मिला कर खाया जा सकता है।

ज्वार की रोटी

गर्मी के मौसम में लंच में ज्वार की रोटी खानी चाहिए। यह फाइबर से भरपूर और ग्लूटन-फ्री होती

इनके सेवन से बचें

गर्मी के मौसम में हेल्दी रहने के लिए कुछ फूड्स को सेवन से बचना भी जरूरी होता है।

- ▶ मसालेदार और तले, भुने भोजन का सेवन करने से शरीर का तापमान बढ़ता है और पाचन से जुड़ी समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है इसलिए गर्मियों में इन्हें खाने से बचना चाहिए।
- ▶ शराब का सेवन करने से शरीर डिहाइड्रेट होता है और इससे शरीर का तापमान भी बढ़ता है। इसलिए इसके सेवन से बचना चाहिए।
- ▶ गर्मियों में शगर से भरपूर ड्रिंक्स जैसे एनर्जी ड्रिंक्स, कोल्ड ड्रिंक्स या फिर सोडा का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे शरीर डिहाइड्रेट होता है और ब्लड शुगर लेवल भी तेजी से बढ़ सकता है।



है। इससे ब्लड शुगर लेवल रेगुलेट होता है और एनर्जी बूस्ट होती है।

गॉद कतीरे का पानी

गर्मियों में सुबह गॉद कतीरे का पानी पीना चाहिए। गॉद कतीरा फाइबर से भरपूर होता है, शरीर को ठंडक देता है, डाइजेशन सुधारता है और गर्मी से होने वाली थकान को कम करता है। इससे स्किन



को भी हाइड्रेशन मिलता है।

छाछ

इस मौसम में दोपहर के खाने से पहले छाछ पीना बहुत लाभकारी होता है। इससे डाइजेशन में सुधार होता है, शरीर को ठंडक मिलती है और गट हेल्थ दुरुस्त होती है।



लौकी

गर्मियों में लौकी को डाइट का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए। लौकी को चिला, सब्जी या दाल में डालकर खाया जा सकता है। लौकी से भी शरीर को हाइड्रेशन मिलता है। लौकी कैलोरीज में कम होती है, शरीर को डिटॉक्स करती है और डाइजेशन को सुधारती है।

गन्ने का रस

गन्ने का रस गर्मियों में शरीर के लिए काफी फायदेमंद रहता है। इसमें विटामिन और मिनेरल्स भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके सेवन से इम्यूनिटी बूस्ट होती है, लिक्वर फंक्शन में सुधार होता है और शरीर को ठंडक मिलती है। *

(डाइटरीशियन शीला सहरावात से बातचीत पर आधारित)

हर रड, बहेड़ा, आंवला तीन फल हैं, जो आयुर्वेद में अमृत के समान माने गए हैं। तीनों के फलों को सुखाकर, पीसकर त्रिफला चूर्ण पावडर बनाता है, जो अनेक रोगों के लिए अचूक औषधि है। इन्हीं तीन फलों में से एक हरड़ यानी हर के बारे में यहां बता रहे हैं। हर के अनेक नाम हैं। जैसे रोग के भय को दूर करने के कारण अभया नाम है। रोगों को हर लेती है, इस कारण हरीतकी नाम है। पथ्य रूप होने से पथ्या नाम है। शरीर को बुझाए से रक्षा करती है, इस कारण कायस्थ नाम है। हिमालय पर उत्पन्न होने से हेमवती नाम है। अमृत के समान गुण होने से अमृता नाम है। व्यथा को दूर करने से अव्यथा नाम है। शरीर को पवित्र करने वाली होने से पूतना नाम है। कल्याणकारी होने से श्रेयसी और शिवा नाम है। जीवन्ती, विजया, रोहिणी नाम भी इसके गुण के अनुसार ही हैं।

गैटल हेल्थ

शिखर चंद जैन

इस समय दुनिया के कई देशों में युद्ध रहा है या वॉर के हालात बने हुए हैं। रात-दिन वॉर से जुड़ी खबरें देखने, पढ़ने और सुनने से मीरा न महसूस किया कि उसका जी मिचला रहा है, हल्के चक्कर आ रहे हैं और सिर भारी-भारी सा लग रहा है। उसे बार-बार टॉयलेट भी जाना पड़ रहा था और प्यास भी लग रही थी। उसने शुरार चेक किया, तो नॉर्मल था। बीपी चेक किया तो, खास बढ़ा हुआ नहीं था, सामान्य ही था। मीरा ने टीवी बंद किया, एक गिलास नींबू पानी पिया और पार्क में टहलने के लिए निकल पड़ी। सोसायटी की कुछ सहेलियों मिल गईं। उनसे बातें करते हुए उसने जब अपनी समस्या के बारे में बताया, तो एक और महिला ने भी बिल्कुल वैसे ही लक्षणों का जिक्र किया और कहा, 'मेरा भी हार्ट ऐसे ही तेज धड़क रहा था तो मैं इधर आ गई। यहां अच्छा लग रहा है।' मीरा को भी अच्छा फील होने लगा। उनकी बातें सुनकर रिटनिकल साइकोलॉजिस्ट अवंतीका ने कहा, 'अरे तुम दोनों को वॉर से जुड़ी न्यूज देखते-सुनते वॉर एंजयटी की प्रॉब्लम हो गई है।

वॉर एंजयटी क्या है: जब युद्ध, हिंसा और विनाश के बारे में ब्रेकिंग न्यूज, वीडियो और तस्वीरें मीडिया में छा जाती हैं, तो यह स्थिति कई लोगों के लिए परेशान करने वाली और

घरेलू औषधि / शिवचरण चौहान

कई रोगों में कारगर हरड़



इन रोगों में लाभकारी: भुनी हुई हर त्रिदोष को दूर करती है और बल, बुद्धि तथा इंद्रियों को शक्ति प्रदान करने वाली होती है। चबाकर खाई हुई हर पाचन अग्नि को बढ़ाती है। पिसी हुई हर खाने से मल की शुद्धि होती

शहद के साथ सेवन करने से हर पित्त नाशक है। वसंत ऋतु में शहद के साथ, ग्रीष्म ऋतु में गुड़ के साथ, वर्षा ऋतु में संधा लवण के साथ, शरद ऋतु में मिश्री के साथ, हेमंत ऋतु में सोंठ के साथ, शिशिर ऋतु में पीपर के साथ

इन दिनों अखबार, टीवी और सोशल मीडिया, हर तरफ से युद्ध और हिंसा की खबरें देखने और सुनने को मिल रही हैं। कुछ लोग इससे गैटल डिस्टर्ब होने लगते हैं। यही वॉर एंजयटी कहलाता है। इसके लक्षण और उपचार के बारे में यहां बता रहे हैं।

इन दिनों कई लोगों को हो रही है वॉर एंजयटी

उरावनी हो सकती है।

कुछ लोगों में ये सब भावनात्मक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। कुछ विशेषज्ञों ने इस स्थिति को 'हेडलाइन स्ट्रेसडिसऑर्डर', 'युद्ध की चिंता' या 'युद्ध चिंता' नाम दिया है। इस बारे में मनोविज्ञानी स्टेफनी कोलियर, ने हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग में प्रकाशित अपने लेख में बताया है कि युद्ध की चिंता, सैन्य बलों द्वारा हमलों या आतंकी हिंसा के बारे में समाचार और भयावह



तस्वीरों के प्रति भय से उपजी यह प्रतिक्रिया ही वॉर एंजयटी होती है। **प्रमुख लक्षण:** डर, चिंता और अनिश्चितता उत्पन्न करने वाले समाचार, एंक्स और प्रवक्तारों की उग्र टिप्पणियां, बम और मिसाइलों के धमाके, रक्तपात और विनाश के दृश्य किसी के भी

दिल, दिमाग और शरीर में तीव्र प्रतिक्रियाएं स्ट्रिमूलेट कर सकते हैं। शारीरिक लक्षणों में दिल की तेज धड़कन, पेट में गुड़गुड़ाहट या

हर सेवन करना चाहिए। हर की एक तोला से अधिक मात्रा भी ली जा सकती है। **त्रिफला है लाभकारी:** हरड़, बहेड़ा, आंवला, इनको त्रिफला कहते हैं। त्रिफला को संध्या समय भिगो दें, सबरे छान कर उससे नेत्र धोएं तो सब प्रकार के नेत्र संबंधी रोग शांत हो जाते हैं। संध्या में भिगोया हुआ त्रिफला, सुबह और छान कर नमक मिला कर पीने से खांसी और कफ के रोग दूर हो जाते हैं। अकेली हरड़ को जल के साथ घिस कर गरम कर ऊपर लेप करने से नेत्र रोग दूर हो जाता है। जो मनुष्य थका हो, धातु विकार हो, जिसका खून निकाला गया हो तथा गर्भवती स्त्री को हर नहीं खाना चाहिए और जिसको ज्वर आता हो उसको पीली हर नहीं खाना चाहिए। इसका किसी भी प्रकार के औषधीय सेवन से पहले आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह अवश्य कर लें। *

मरोड़, मितली या चक्कर आना शामिल हो सकते हैं। सोने में परेशानी, बेचेनी या बुरे और डरावने सपने भी आ सकते हैं।

इन कंडीशन में क्या करें: अगर आप इन्हीं वजहों से बेचेनी महसूस करते हैं तो न्यूज चैनल से अपने संपर्क को सीमित करें। आप अपनी किसी हॉबी पर समय दें। अच्छी किताबें पढ़ें और प्रेरक आलेख पढ़ें। परिवार के सदस्यों या दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं। अपने प्रियजनों से जुड़े रहें और उनका हाल-चाल लेते रहें। माइंडफुलनेस, शारीरिक गतिविधि और ब्रीदिंग एक्सरसाइज से इमोशंस को पांजिक्ट रखें। बच्चों के साथ खेलें और पार्क में टहलने की आदत डालें। शोध बताते हैं कि प्रकृति के करीब समय बिताने से तनाव और चिंता से राहत मिल सकती है। अपनी शारीरिक गतिविधि की तीव्रता बढ़ाएं। कोई भी एरोबिक गतिविधि चिंता को कम कर सकती है, लेकिन व्यायाम की तीव्रता और उसमें आपकी संलग्नता जितनी अधिक होगी, चिंता पर अच्छा प्रभाव उतना ही अधिक होगा। पोषक और सेहतमंद भोजन खाएं। पर्याप्त नींद लें। हाइड्रेटेड रहने के लिए खूब पानी पिएं। अनिश्चितता को स्वीकार करें। अनिश्चितता महसूस करना पूरी तरह से सामान्य है। आपको स्वयं को समझाना होगा कि इस स्थिति पर आपका कोई नियंत्रण नहीं है। *

(मनोविज्ञानी रूपा तालुकदार से बातचीत पर आधारित)

वर्क प्रेशर, आगे बढ़ने की जल्दी, अनहेल्दी फूड हैबिट, एक्सरसाइज से दूरी और टेराइनफुल लाइफ ऐसे तमाम कारण हैं, जो पुरुषों के स्वास्थ्य पर लगातार नकारात्मक असर डाल रहे हैं। पुरुषों के स्वास्थ्य निगरानी माह (जून) के अवसर पर इस बारे में डिटेल् में बता रहे हैं।

बिगड़ती लाइफस्टाइल से पुरुष हो रहे बीमार

अवेयरनेस

रेखा देशराज

दि न पर दिन तेजी से भागती लाइफस्टाइल, दिनों-दिन जटिल होती काम-काजी तकनीक और करियर में प्रतिस्पर्धा का असर पुरुषों के समूचे स्वास्थ्य पर कहर बनकर टूट रहा है। यही वजह है कि इस 21वीं सदी में पुरुषों की औसत आयु, महिलाओं के मुकाबले करीब डेढ़ से दो साल और कम हो गई है। साथ ही पुरुषों का संपूर्ण शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी तेजी से गिरता जा रहा है।

बिगड़ते स्वास्थ्य का कारण: पुरुषों के स्वास्थ्य में गिरावट का कारण जीवन का 'रनिंग एंजंडा' है। सुबह जल्दी उठना, ऑफिस में वर्क प्रेशर, घर पहुंचकर भी ऑफिशियल प्रोजेक्ट में बिजी रहना, बंद रात तक सोशल मीडिया में उलझे रहना, ये गतिविधियां आज ज्यादातर पुरुषों के जीवन का अहम हिस्सा बन गई हैं, जिस कारण वे अकसर शरीर से थके रहते हैं और दिमाग से बोझिल। पूरी दुनिया के पुरुषों की नियमित नींद में कमी आ रही है। एक तो काम का दबाव और करियर में आगे बढ़ने का प्रेशर, ऊपर से डिजिटल तकनीक का मायाजाल। इन वजहों से दुनियाभर के पुरुषों में वर्तमान लाइफस्टाइल तमाम परेशानियां पैदा कर रही हैं।

नई तकनीक का असर: नई तकनीक आ जाने के कारण काम-काज तो आसान हुआ है, लेकिन इस तकनीक को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी जिन पुरुषों पर है, उन पर यह भारी पड़ रही है। ई-मेल, व्हाट्सएप, टीम मीटिंग, जूम कॉल, वर्क प्रॉम होम इन सबने दैनिक काम को सिर्फ 9 से 5 तक सीमित नहीं रहने दिया बल्कि इसे 24x7 में तब्दील कर दिया है। पुरुषों में लगातार टेक्नोलॉजी में अपग्रेड रहने का दबाव रहता है। इससे भी दिमाग तनाव से मुक्त नहीं हो पाता है।

अनहेल्दी फूड हैबिट: जिस तरह की काम-काजी तेजी का दबाव है, उसके चलते फास्ट फूड खाने की हैबिट भी पुरुषों में बढ़ रही है। दुनियाभर के 52 फीसदी से ज्यादा



काम-काजी पुरुष फास्ट फूड खाने के आदी हो गए हैं। भारत में 40 करोड़ पुरुष घरों से बाहर रोजी-रोटी के लिए रहते हैं, जिनमें से 17 से 20 करोड़ लोग अकेले रहते हैं और इनमें से 70 से 80 फीसदी पुरुष अमूमन हफ्ते में तीन बार फास्ट फूड खाते हैं। **एक्सरसाइज से दूरी:** एक्सरसाइज से दूरी भी पुरुषों में बढ़ती बीमारियों का एक प्रमुख कारण है। भारत में पिछले एक दशक में पुरुषों के काम-काज के घंटे औसतन दो से दार्ध घंटे बढ़ गए हैं। व्यस्तता बढ़ जाने के कारण पुरुषों में नियमित एक्सरसाइज की गतिविधि कम हो गई है। **बढ़ रही है बीमारियां:** तमाम वजहों से पुरुष चाहकर भी अपने स्वास्थ्य की जरूरी देख-रेख नहीं कर पाते, उनका स्वास्थ्य लगातार बिगड़ रहा है। काम-काज की शैली और रफ्तार बदल जाने के कारण जिस चीज की सबसे ज्यादा उपेक्षा हो रही है, वह पुरुषों का स्वास्थ्य ही है। भारत के करीब 87 फीसदी काम-काजी पुरुष कम से कम एक या दो लाइफस्टाइल बीमारियों के चंगुल में फंसे हुए हैं और दुनिया के स्तर पर तो यह आंकड़ा 90 फीसदी के ऊपर है। इससे साफ है कि कंडीशन तभी बदल सकती है, जब पुरुष स्वयं अपनी हेल्थ को लेकर कॉन्शस होंगे और अपनी लाइफस्टाइल में जरूरी बदलाव करेंगे। *



खबर संक्षेप

दुखी प्राणी के कष्टों को दूर करें : मुनि

चरखी दादरी। जीवन में सम्पूर्ण का भाव धारण करना ही सच्ची मानवता की परिभाषा है, जब सहयोग व सम्पूर्ण की भावना हमारे अंतर में समा जाती है तो प्रत्येक प्राणी का दुख व स्थितियां हमें अपनी लगने लगती हैं और हमें उसके कष्टों को दूर करने के लिए सच्चे हृदय से कार्य व त्याग करते हैं, ये बात उपप्रवर्तक आनंद मुनि महाराज और प्रवचन दिवाकर दीपेश मुनि ने नगर विहार के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं को कही। उन्होंने कहा कि इसी भाव में संसार के प्रत्येक धर्म का सार समाया हुआ है। भावान महावीर स्वामी ने भी अहिंसा परमो धर्म का जो मूल मंत्र दिया है उसमें सम्पूर्ण का भाव प्रथम है। इसलिए हम सभी को आगे बढ़कर प्रत्येक दुखी प्राणी के कष्टों को दूर करने के लिए सहयोग करने को अपने दैनिक जीवन का अंग बना लेना चाहिए।

समीर खटीक बने समिति के सदस्य

भिवानी। अखिल भारतीय खटीक समाज के सदस्यता अभियान को और अधिक सक्रिय व प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से सदस्यता अभियान समिति के राष्ट्रीय संयोजक सिपी महेन्द्र ने समिति के विस्तार की घोषणा की है, जिसके तहत विभिन्न राज्यों से सात सदस्यों को राष्ट्रीय सदस्यता समिति के सदस्य नियुक्त किया। इसमें हरियाणा प्रदेश से समाज के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव समीर खटीक को राष्ट्रीय सदस्यता समिति में शामिल किया है।

बाबा नकीवाला मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा शुरू

भिवानी। गांव अजीतपुर के बाबा नकीवाला मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा, जिसके उपलक्ष्य में कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में अनेक महिलाएं व युवतियां शामिल हुईं और बाबा नकीवाला मंदिर में कलश लेकर पहुंची। यज्ञ स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्थापित किया। कलश यात्रा में महिलाएं गाजे-बाजे के साथ शामिल हुईं। यज्ञ स्थल से कलश यात्रा प्रारंभ हुई।

5वें दिन फूलसिंह नौटंकी सांग का किया मंचन

भिवानी। म्हारी संस्कृति म्हारा स्वामिमान संगठन के तत्वाधान में म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन का स्थापना दिवस एवं महान कवियों एवं गायकों याद में 11 दिवसीय सांग महोत्सव के 5वें दिन दादा लखमीचंद सांस्कृतिक भवन उमरावत में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम में बुधवार को कवि शिरोमणि दादा लखमीचंद द्वारा रचित सांग फूलसिंह नौटंकी सांग का मंचन सोमनाथ त्यागी द्वारा किया गया।



भिवानी। भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से रुबरु होते मंत्री श्याम सिंह राणा। फोटो: हरिभूमि

प्रधानमंत्री मोदी ने बदली देश की तस्वीर : राणा

चरखी दादरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 11 सालों में लगातार देश के लिए काम करते हुए भारत की तस्वीर बदल दी है। पूरी दुनिया में देश की छवि निखरी है, अब देश में प्रगति और विश्वास का वातावरण है। कृषिमंत्री श्याम सिंह राणा नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर बीजेपी कार्यालय मंगल कमलम में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बने 11 साल हो गए हैं। वे 13 साल गुजरात के मुख्यमंत्री भी रहे और यही समय उनकी कार्यशैली के लिए अहमियत रखता है। उन्होंने कहा कि गुजरात में उनके द्वारा किए बेहतरीन कार्यों के चलते देश के लोगों का मन बना, अब देश के लिए मोदी ही सही है।

संत कबीरदास ने बुराइयों पर तंज कस शिक्षा को दिया बढ़ावा: चरणदास युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट ने संत शिरोमणि कबीरदास को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

संत शिरोमणि कबीरदास महाराज के 628वें प्रकट दिवस पर युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट ने बुधवार को हनुमान जोहड़ी मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर बालयोगी महंत चरणदास महाराज सहित अन्य लोगों ने संत कबीरदास महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया तथा उनकी शिक्षाओं व आदर्शों को अपनाकर समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया। महंत चरणदास ने कहा कि भारतीय संत परंपरा के अद्वितीय हस्ताक्षर संत कबीरदास महाराज ने अपने दोहों व रचनाओं से सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जनजागरण कर समाज को नई दिशा देने का काम किया। संत कबीरदास ने हमेशा सामाजिक बुराइयों के खिलाफ चलते हुए शिक्षा को बढ़ावा देने का संदेश दिया। संत कबीरदास ने दोहों के माध्यम से



भिवानी। संत कबीरदास को नमन करते महंत चरणदास महाराज व अन्य तथा संत कबीरदास को नमन करते भारत माता सेवा मंडल के सदस्य। फोटो: हरिभूमि



भिवानी। संत कबीरदास को नमन करते महंत चरणदास महाराज व अन्य तथा संत कबीरदास को नमन करते भारत माता सेवा मंडल के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

व्यक्ति जीवन जीने की नई राह को पाया सकता है। उन्होंने कहा कि संत कबीरदास ने न केवल सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, बल्कि दुनिया को मानवता एवं प्रेम का पाठ पढ़ाया। इस अवसर पर पवन शर्मा, मास्टर हरेंद्र पुनिया, मास्टर सुरेंद्र, विशाल, धर्मवीर दहिया, जयपाल सिंह, अनिल देशवाल, अंकुर चावला, जयप्रकाश सैनी व विजय मित्तल आदि मौजूद रहे।

भारत माता सेवा मंडल के सदस्यों ने संत कबीरदास को किया याद

भिवानी। एससी कॉलोनी स्थित सेंट्रल पार्क में संत कबीरदास जयंती पर भारत माता सेवा मंडल के सदस्यों ने संत कबीरदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन एवं याद किया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम की विरिष्ठ शिक्षा प्रबंधक वेदप्रकाश तंवर व रामलाल सुखीजा ने अध्यक्षता की। मंडल के अध्यक्ष ठाकुर पद्मसिंह चौहान, संरक्षक पूर्णमाल शर्मा, गणपत जसूजा व संगठन मंत्री सुमेरु सैनी ने संत कबीरदास जयंती पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संत कबीरदास जयंती न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सुधार और समरसता का संदेश देने वाली भी है। संत कबीरदास 15वीं



भिवानी। संत शिरोमणि कबीरदास महाराज की राज्य स्तरीय जयंती समारोह के लिए रवाना होते धानक समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

संत शिरोमणि कबीरदास महाराज की राज्य स्तरीय जयंती समारोह में बसों में पहुंचे हजारों श्रद्धालु

भिवानी। बुधवार को सिरसा में होने वाले संत शिरोमणि कबीरदास महाराज की प्रदेश स्तरीय जयंती समारोह में भाग लेने के लिए बावड़ी गेट स्थित धानक धर्मशाला व हनुमान गेट जीटू पाठशाला से श्रद्धालुओं का दल बस से रवाना हुआ। संत कबीरदास महाराज की पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं का दल रवाना हुआ। भाजपा मजदूर प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक एवं धानक समाज के नेता भगवानदास कालिया ने बताया कि संत कबीर की वाणी एवं उनके सामाजिक समरसता के संदेश को जनमानस तक पहुंचाने के प्रयास को लेकर भिवानी के नागरिकों में भी विशेष उत्साह है। इस यात्रा में भाग लेने वाले श्रद्धालु सिरसा में आयोजित संगोष्ठी, प्रवचन, भजन संध्या व अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया। भगवानदास कालियाय ने बताया कि संत कबीर की शिक्षाओं को आत्मसात कर समाज में फैलाने का संकल्प भी लिया। उन्होंने बताया कि रवाना होने से पहले श्रद्धालुओं ने संत कबीरदास के दोहों का पाठ कर उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।



संत कबीरदास ने समाज में व्याप्त रूढ़ियों और अंधविश्वासों पर किया करारा व्यंग्य : सुदेश कटारिया

भिवानी। संत शिरोमणि कबीरदास महाराज के प्रकट दिवस के अवसर पर डा. भीमराव अंबेडकर जनकल्याण समिति रजि. द्वारा बुधवार को जिला के गांव फूलपुरा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्यअतिथि कैदीय मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया एवं हरियाणा एससी आयोग के वार्ड्स चैयरमैन विजेंद्र बडगुजर ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रो. अश्विनी संखवाल ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. भीमराव अंबेडकर जनकल्याण समिति के प्रधान रामदास ने की। कार्यक्रम की शुरुआत संत कबीरदास के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्प अर्पण से हुई। इसके उपरंत समाज के होनहार एवं प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर कैदीय मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया एवं हरियाणा एससी आयोग के वार्ड्स चैयरमैन विजेंद्र बडगुजर ने कहा कि प्रसिद्ध कवि और महान समाज सुधारक संत कबीरदास महाराज ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में व्याप्त भेदभाव के खिलाफ जनजागरण पैदा करने का अथक प्रयास किया। उन्होंने कहा कि संत कबीरदास महान कवि होने के साथ ही एक समाज सुधारक भी थे। उन्होंने समाज में व्याप्त रूढ़ियों तथा अंधविश्वासों पर करारा व्यंग्य किया है। उन्होंने कहा कि धर्म का संबंध सत्य से जोड़कर समाज में व्याप्त रूढ़िवादी परंपरा का खंडन किया है।



भिवानी। सत्संग में प्रवचन देते हुए। फोटो: हरिभूमि

कबीर जयंती पर आनंद परमानन्द धाम में सत्संग

भिवानी। आनन्द परमानन्द सत्संग आश्रम धाम निगाणा में आदि गुरु कबीर साहेब की 628वीं जयंती पर सत्संग व भंडारे का आयोजन किया गया तथा सत्संग पानी की छबील लगाई गई। सतगुरु बाबू साहेब ने संत कबीर साहेब के जीवन के बारे में बताया और शब्दों तथा दोहों के माध्यम से उनकी महिमा का गुणागान किया। उन्होंने बताया कि संत कबीर ने दोहों के माध्यम से समाज में चल रहे कई आडम्बरों, भेदभाव और पाखंड को समाप्त करने का प्रयास किया। भक्ति आंदोलन की शुरुआत साहेब ने 600 साल पहले करी और विश्व में भक्ति मार्ग का प्रचार-प्रसार किया तथा बहुत कुदृष्ट कर दिखाया कि भक्त में शक्ति होती है। इस अवसर पर शब्द गायक सुनील कामगण, आत्मानंद साहेबलाला, जगदीश काजला, हेमंत पाठान, रीना, बिजमती नुब्दी, सुशीला सुरपुरा, रीना बिस्तलवास व निर्मला उपस्थित रहे।



भिवानी। संत शिरोमणि के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

प्रेम और भक्ति का उपदेश देती कबीर वाणी: संदीप

भिवानी। जात-पात, अंधविश्वास को स्वीकार नहीं करती। यह शब्द धानक जनकल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष संदीप खरकिया ने गांव खरक कला में संत शिरोमणि कबीर दास जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कहे। संदीप खरकिया ने बताया कि कबीर साहिब का आदिमान ईस्वी सन 1398 ज्येष्ठ पूर्णिमा सोमवार को हुआ। इसी दिन काशी के जुलाहे नीरू अपनी नवविवाहिता नीमा का गोना करारकर अपने घर लौट रहे थे कि रास्ते में नीमा को प्यास लगी। वहां रहस्यवरा तालाब था, जहां नीमा पानी पीने के लिए गई। गई। अमी उतर कर पानी पीने ही लगी थी कि वहां कमल दल के गुच्छ पर किसी शिशु के रोने की आवाज सुनाई दी। नीरू-नीमा आपसी सहमति से इस शिशु को घर ले गए, जो बाद में संत कबीर हुए। इस मौके पर रविंद्र खरकिया, अशोक कुमार, कृष्ण सिंह, देवेन्द्र सिंह, महावीर नंदा, श्याम लाल नंदा, संजय सिंह, पप्पू धानक, निखिल नंदा, कमल सिंह, सुमित नगर, सुरेंद्र सिंह सनी, सोनू नंदा, विशाल, मुकेशधानक, ललित कुमार, प्रदीप नंदा, राहुल नंदा आदि मौजूद रहे।

पाखंड, जातिगत भेदभाव के सख्त खिलाफ थे कबीरदास: सुमित नागर

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के गांव जताई में धानक जनकल्याण मंच द्वारा संत कबीरदास की 627वीं जयंती पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश मीडिया प्रभारी सुमित नागर जताई ने की। कार्यक्रम में मंच के प्रदेश मीडिया प्रभारी सुमित नागर जताई ने पूष्प अर्पित करते हुए कहा कि संत कबीर धार्मिक एकता के प्रतिक थे। वह सभी धर्मों को समान महत्व देते थे। सुमित नागर ने कहा कि संत कबीर दास महत्काल के महान कवि थे। हर वर्ष ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन संत कबीर की जयंती मनाई जाती है। माना जाता है कि संत 1455 की इस पूर्णिमा को उन्का जन्म हुआ था। भक्तिकाल के उस दौर में कबीर दास जी ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सुधार में लगा दिया था। कबीरपंथी इन्हें एक आलौकिक अवतारी पुरुष मानते हैं। कबीर उनके आराध्य हैं। उन्होंने कहा कि आज के युवा सामाजिक संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महान संत कबीर दास ने सर्व समाज को ऊंचा उठाने का कार्य किया और पूष्प बलि, मूर्ति पूजा, नशे का घोर विरोध किया था। सभी युवाओं को उनकी शिक्षा अपने जीवन में उतारनी चाहिए। संत कबीर ने सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता का संदेश दिया और सभी को एक साथ रहने की शिक्षा दी।

संत कबीर जयंती पर विभिन्न स्थानों पर किया पौधरोपण

■ महापुरुषों की जयंती पर प्रकृति की सेवा ही सच्ची श्रद्धाजलि: हवलदार लोकराम

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

बुधवार को संत शिरोमणि कबीरदास जयंती पर शहर में विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश दिया। अभियान का नेतृत्व पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहड़ा ने किया। अभियान के तहत बुधवार को हुड़ा पार्क में कीर्ति, वंश व अंजू ने पौधरोपण किया। इसके उपरंत झुंपा कलां में बाबा श्रीराम बगोची में त्रिवेणी रोपण तथा खरकड़ी में पौधरोपण किया। अभियान में सामाजिक संगठनों व युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और समाज में हरित



भिवानी। हुड़ा पार्क में पौधरोपण करते पर्यावरण प्रेमी। फोटो: हरिभूमि

क्रांति लाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहड़ा ने कहा कि संत कबीरदास जैसे महापुरुषों की जयंती पर प्रकृति की सेवा कर उनके आदर्शों को जीवंत बनाए रखना ही सच्ची श्रद्धाजलि है। हर व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल करें। उन्होंने कहा कि



बवानीखेड़ा। गांव जताई में धानक जनकल्याण मंच द्वारा संत कबीरदास की 627वीं जयंती पर कार्यक्रम के आयोजन में उपस्थितजन।

गांव झरवाड़ में पंच धूनी अग्नि तपस्या का संपन्न

भिवानी। झरवाड़ में महात्मा कोमल नाथ महाराज की पंच धूनी अग्नि तपस्या के समापन अवसर पर एक भव्य आयोजन किया गया, जिसमें आध्यात्मिक साधना, समाज सेवा और खेल भावना का संगम देखने को मिला। एक माह तक चली इस कठोर तपस्या के समापन पर गांव में रक्तदाह शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने बद्ध-चंद्रकर भाग लिया। साथ ही गांव के फुटबॉल खिलाड़ियों व रक्तदाहताओं को स्मृति दिवह देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक तथा समाजसेवी श्याम सुंदर सनातनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच कमला देवी ने की। योगेश शर्मा ने मंच संवादन किया और सभी अतिथियों व ग्रामीणों का स्वागत करते हुए कहा कि महात्मा कोमल नाथ महाराज की यह तपस्या पूरे गांव के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा का केंद्र है।

भारी भरकम वाहनों से डिवाइडर हो रहे क्षतिग्रस्त

■ लोगों ने कहा जनता का करोड़ों रूपया पानी में बह रहा, प्रशासन करे ध्यान

हरिभूमि न्यूज ►► बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के बिचला मार्ग पर बने डिवाइडर राम भरोसे है। भारी भरकम वाहनों ने इसे अपने चपेट में लेना शुरू कर दिया है जिससे जनता का करोड़ों रूपया पानी में बहता हुआ साफ दिखाई दे रहा है। लेकिन संबंधित प्रशासन का भारी भरकम वाहनों पर लगाय लगाने की तरफ कोई ध्यान नहीं है। लोगों ने इस बारे अपने विचार साझा किए। बाईपास चलाकर तक करना था निर्माण: ओपी बुवानीवाला ओम प्रकाश बुवानीवाला ने बताया कि एनएच-58ई द्वारा मार्ग निर्माण



कार्य को तेजी से करवाया जा रहा है। बाईपास मार्ग को चालू करके फिर बवानी खेड़ा हांसी चुंगी से नागरिक अस्पताल तक के मार्ग का निर्माण शुरू करना चाहिए था। लेकिन सभी वाहनों को अंदरूनी मार्ग से निकाला जा रहा है जो खतरों से खाली नहीं है। क्योंकि भीड़-भाड़ वाला एरिया होने के कारण किसी भी समय कोई हादसा होने का भय बना रहता है। जुम्मे-जुम्मे बनी थी सड़क और डिवाइडर:हनुमान पाराशर हनुमान पाराशर की मानें तो कुछ



समय पहले ही करोड़ों रुपये की लागत से बिचले मार्ग की सड़क व डिवाइडर का निर्माण किया गया व ग्रील लगाई गई थी। ग्रील काफी ऊंची है और हादसों की निमंत्रण देती है लेकिन भारी भरकम वाहनों की स्पीड जीना दुभर किया हुआ है। जहां ब्रेकर वहां रुक जाते हैं वाहनों के कदम: रमन टुट्टेजा रमन टुट्टेजा का कहना है कि बिचले मार्ग पर जहां संबंधित विभाग द्वारा ब्रेकर बनाए हैं वहां पर सभी वाहन

एसपीओ नहीं मिलने से अनुबंधित विद्युत कर्मचारियों में भारी रोष

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

जिला सचिव अशोक कुमार की अध्यक्षता में बिजली निगम प्रांगण में अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ की बैठक हुई, जिसमें यूनियन के कर्मचारियों ने जॉब सिक्योरिटी एक्ट की एसपीओ/आरयूएलई आने की देरी और गत 14 अगस्त से पिछला सारा लाभ/परिश्र हरियाणा सरकार द्वारा देने पर चर्चा की। जिलाध्यक्ष इमरान बापोडिया ने बताया कि चैनल में इंटरव्यू के दौरान चीफ सैक्रेटरी हरियाणा ने एसओपी पर बिना अध्ययन किए गैर जिम्मेदाराना रूप से कहा कि जॉब सिक्योरिटी एक्ट की एसओपी/आरयूएलई आने



में देरी यूनियन के कर्मचारी नेताओं के कारण हो रही है। उन्होंने कहा कि उनके सुझाव/आपत्तियां अभी तक दर्ज नहीं की गई हैं, जबकि मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने कहा कि इमरान बापोडिया ने बताया कि चैनल में इंटरव्यू के दौरान चीफ सैक्रेटरी हरियाणा ने एसओपी पर बिना अध्ययन किए गैर जिम्मेदाराना रूप से कहा कि जॉब सिक्योरिटी एक्ट की एसओपी/आरयूएलई आने

भाजपा नेता ने सीएम सैनी, सांसद किरण-केबिनेट मंत्री से की मुलाकात

■ जनसंपर्क अभियान में आमजन ने दर्ज करवाई समस्याओं के समाधान की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र की विभिन्न विकास परियोजनाओं, अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करवाने सहित आमजन से जुड़ी अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की। मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मोहित चौधरी ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधा सड़क निर्माण, शिक्षा व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, जल आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था एवं युवाओं के लिए रोजगार सृजन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जोर दिया।



अखिल भारतीय किसान सभा भिवानी ने खरीफ फसल-2023 के दादरी व भिवानी जिलों में 350 करोड़ रुपये की बीमा घोटाला व रबी फसल-2023 के 290 करोड़ रुपये का बकाया मुआवजे को लेकर बहल क्षेत्र के गांव सेरला, बिधनोई, नूनसर, बड़दू जोगी, मुगल बड़दू, चैना बड़दू, धीरजा बड़दू, पूर्ण बड़दू,

किसान सभा ने की 350 करोड़ के बीमा घोटाले की जांच की मांग

बकाया मुआवजे को लेकर किसान सभा ने चलाया अभियान



भिवानी। एकात्रित लोगों को संबोधित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

भोगला, हमीरवास एवं बुढ़ेड़ा में अभियान चलाया। किसान सभा के जिला प्रधान उपप्रधान कामरेड ओम प्रकाश व जिला सचिव मास्टर जगरोशन ने उपरोक्त विभिन्न गांव में संत शिरोमणि कबीरदास की जयंती के मौके पर लोगों को कबीर साहब के बारे कहा कि वे भक्तिकाल के एक महान कवि थे। उन्होंने अपने दोहों के माध्यम से अंधविश्वास, पाखंड, जातिवाद व धार्मिक कट्टरता के

290 करोड़ के बकाया मुआवजा देने की मांग

गौरतलब है कि किसान सभा लोहारू को केंद्र बनाकर बीमा क्लेम फ्रॉड के खिलाफ अभियान चला रही है और 200 करोड़ रुपये बकाया बीमा क्लेम व 2023 की रबी फसल का 290 करोड़ रुपये बकाया मुआवजा देने के लिए सभा लोहारू में बड़ी किसान महापंचायत बुला रही है। जिसमें इलाके के हजारों किसान शामिल होंगे, जिसकी तारीख की घोषणा शीघ्र की जाएगी। इस मौके पर किसान सभा के बहल इलाके के प्रधान सुबेदार धनपत, ब्लाक सचिव मन्वरूप यादव, तोशाम ब्लाक प्रधान कर्णसिंह जेनावास, किसान सभा के नेता महीपाल बिद्यनाई, अजय जांगड़ा, इंद सिंह नंबरदार, क्यानंद, ईश्वर बिद्यनाई, मास्टर मनभर सिंह, बड़दू जोगी सरपंच प्रतिनिधि राकेश, शिवकुमार, चंद्रमान यादव नूनसर आदि मौजूद रहे।

खिलाफ प्रगतिशील मूल्यों के लिए भक्ति आंदोलन में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। वे सबके संत थे। आज के संदर्भ में उनके द्वारा रचे गये दोहों के माध्यम से वर्तमान दौर में जातिवादी व धार्मिक कट्टरता, अंधविश्वास व पाखंड का विरोध किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2023 के खरीफ फसलों में कृषि विभाग के बड़े अफसरों से मिलकर फसल बीमा कंपनी ने भिवानी में जातिवादी व धार्मिक कट्टरता, 200 करोड़ रुपये का फ्रॉड किया है।

खबर संक्षेप

शारीरिक स्वास्थ्य के लिए योग जरूरी: कोच

भिवानी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में गांव खरकड़ी सोहन की व्यायामशाला में जिला भिवानी की योग ट्रेनर व आयुष योग सहायक नवीन व कोच समुंद्र सिंह के नेतृत्व में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन खरकड़ी सोहन में योग प्रोटोकॉल कार्यक्रम हरियाणा योग आयोग कि के चेयरमैन डा. जयदीप आर्य, जिला आयुर्वेद अधिकारी डा. रश्मि, डा. संजय वेद, जिला योग विशेषज्ञ डा. निशा खट्टर व फार्मासिस्ट डा. प्रदीप के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

देहदान के लिए 200 श्रद्धालुओं ने मरा फॉर्म

भिवानी। संत कबीरदास के प्रकट दिवस पर कालुवास मोड़ स्थित सतलोक आश्रम में जारी तीन कार्यक्रमों का बुधवार को समापन हो गया। कार्यक्रमों के दौरान संत गरीबदास महाराज द्वारा रचित अमृतवाणियों का पाठ, भंडारा व अन्य सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन संत रामपाल महाराज के सान्निध्य में हुआ। समापन पर भारी तादात में श्रद्धालुगण पहुंचे तथा भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

भारतीय स्वतंत्रता के प्रमुख सेनानी थे पंडित रामप्रसाद

भिवानी। पंडित रामप्रसाद बिस्मिल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की क्रान्तिकारी धारा के एक प्रमुख सेनानी थे, ये बात स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण संगठन के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्रपाल यादव ने कही। इस मौके पर संगठन के सदस्यों ने पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने बताया कि पंडित रामप्रसाद बिस्मिल का जन्म 11 जून 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर शहर के खिरनीबाग मोहल्ले में मुरलीधर व मूलमती के घर हुआ। वे अपने माता-पिता की दूसरी सन्तान थे।

छात्रों पर किए लाठीचार्ज की संगठनों ने कड़ी निंदा

भिवानी। हिसार के चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्कॉलरशिप पॉलिसी को लेकर वीसी से मिलने जा रहे स्टूडेंट पर सिक्योरिटी गार्ड्स द्वारा किए लाठीचार्ज की युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमलसिंह प्रधान व छात्र संघर्ष समिति के पूर्व प्रधान जितेंद्र भोलू समेत संगठनों के अनेक पदाधिकारियों ने लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा की।

परी इलेवन ने युवराज इलेवन को 58 रन से हराया

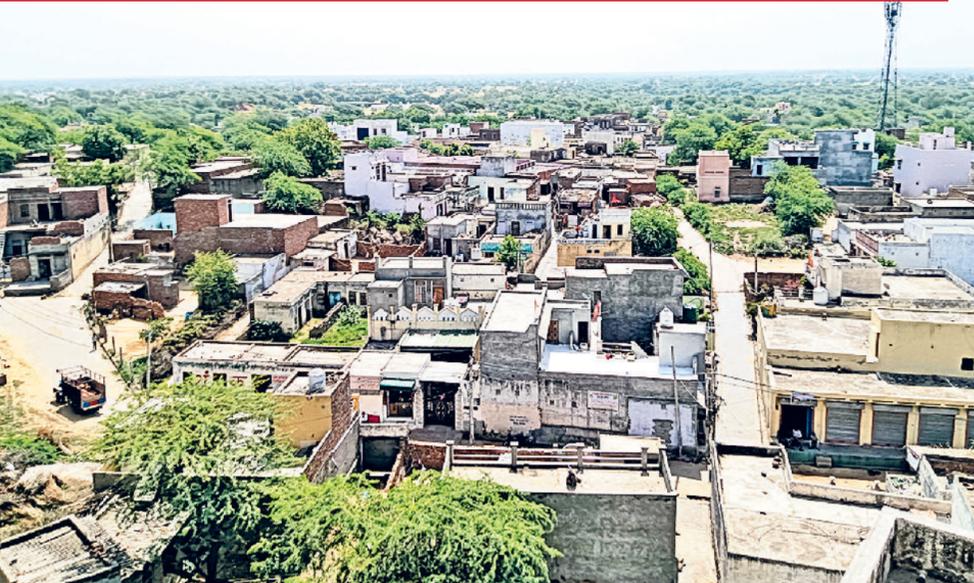
भिवानी। जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में परी इलेवन ने युवराज इलेवन को 58 रन से हराया। परी इलेवन ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए निधारित 25 ओवर में 152 रन बनाये। वागीश ने 31 गेंदों पर अविजित 37 रन, हार्दिक वत्स ने 18 रन, दश वशिष्ठ ने 29, आर्यन ने 16 व परी ने 14 रन बनाए। युवराज इलेवन की तरफ से युवान ने 5 ओवर में 29 रन देकर 2 विकेट ली, अनुज व वैभव ने एक-एक विकेट ली। युवराज इलेवन ने 152 रन का पीछा करते हुए मात्र 94 रन पर आऊट हो गई। युवराज इलेवन की तरफ से अंशुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 57 गेंदों में 74 रन बनाए, युवान ने 8 रन बनाए।

सोशल मीडिया पर जातिवाद फैलाने वाले युवाओं पर सख्त कार्रवाई करे सरकार

भिवानी। फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुछ युवा समाज में जातिवाद का जहर घोल रहे हैं जिनपर सख्त कार्रवाई की जरूरत है। ये बात युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल प्रधान ने एक प्रेसवार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही। कमल प्रधान ने कहा कि कुछ अस्माजिक युवा तत्व आजकल सोशल मीडिया पर लाइव आकर या अपनी पोस्ट्स के जरिए एक दूसरे की जाति पर अशोभनीय टिप्पणी करते हैं जिससे बच्चों पर तथा युवा वर्ग पर बुरा असर पड़ता है। सुखियों में आने के लिए घोला जा रहा यह जातिवाद का जहर शांतिप्रिय वर्ग को भी निचलित करता है। कमल प्रधान ने कहा कि पिछले दस बारह साल से यह स्थिति और चिंताजनक हो गई है। सबसे बड़ी समस्या है कि इनमें से कुछ युवा बड़े पदों पर आसिन लोगों की शय पाकर यह करते हैं और परिणामस्वरूप इनपर कोई कार्रवाई भी नहीं होती। कमल प्रधान ने चुने हुए जन प्रतिनिधियों से भी अपील की कि वह भी कोई ऐसी टीका टिप्पणी न करें।

आसमान से बरस रही आग, तेज हवा के साथ चलती लू में सुबह 10 बजे ही गलियों में पसर जाता सन्नाटा

गर्मी व लू के कारण गलियों में पसरा सन्नाटा



दुकानों पर सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक नहीं काम, दुकानदार मजबूरीवश करते आराम

■ बुधवार को तापमान करीब 46 डिग्री सेल्सियस रहा, धूप की तपन इससे भी ज्यादा प्रतीत हो रही थी

हरिभूमि न्यूज ►► डिगावा गंड़ी

आसमान से बरस रही आग से बुधवार का दिन काफी तलख रहा। धूप की तपिश और तेज हवाओं के साथ चल रही लू के कारण लोगों का बाहर निकलना काफी कष्टदायक रहा। बुधवार को तापमान करीब 46 डिग्री सेल्सियस रहा, धूप की तपन इससे भी ज्यादा प्रतीत हो रही थी। कई दिनों से पड़ रही चिलचिलाती धूप ने लोगों को मुश्किल में डाल दिया है। तापमान बढ़ने से अब 10 बजते ही गलियां, बाजार और यहां तक कि नेशनल हाईवे सभी जगह सन्नाटा पसर जाता है। तेज धूप और लू के कारण लोगों का बाहर आना-जाना लगभग बंद हो गया है। उल्लेखनीय है कि जून माह में गर्मी एवं तापमान अपने चरम पर हैं। 46 डिग्री सेल्सियस

उल्टी व दस्त के बढ़ रहे मरीज
डिगावागंड़ी स्थित सुनील हॉस्पिटल के डॉ. सुनील धुवा ने बताया कि लोगों को गर्मी के मौसम में विशेष ख्याल रखना चाहिए, ताकि उन्हें राहत मिल सके। डॉ. सुनील ने बताया कि बढ़ती गर्मी के कारण क्षेत्र में उल्टी-दस्त के मरीज बढ़ने लगे हैं। खान-पान में जरा सी लापरवाही या गर्मी के बीच ज्यादा देर बाहर घूमने से लोग उल्टी दस्त की घपटे में आ रहे हैं। अस्पतालों में ऐसे मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। कुल मरीजों में से लगभग 60 से 70 फीसदी मौसमी बीमारों से पीड़ित है। बच्चे व बुढ़े गर्मी का शिकार हो रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच बच्चों को सूर्यास्त होने से पहले घर से बाहर न निकलने दें और मजबूरीवश जाना जरूरी हो तो लू से बचाव के पूरे प्रबंध करें। सिर व मुंह पर कपड़ा ढांपकर ही मेजें और पानी की बोतल देकर भोज व पानी पीते रहें।

को पार कर चुके तापमान के कारण लोगों का जीना मुहाल हो गया है। दोपहर को गलियां वीरान नजर आती है, वहीं बाजार में भी सन्नाटा पसरा रहता है। करीब पांच बजे के बाद बाजारों में कुछ चहल-पहल नजर आती है। सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक दुकानों पर कोई काम नहीं है और इस दौरान दुकानदारों के पास मजबूरीवश आराम करने के सिवाय कोई चारा नहीं है। बिजली के लंबे कटौत व कम वोल्टेज के कारण एसी भी खामोश रहते हैं, जबकि गांवों में स्थिति बदतर हो रही है। कुछ गांवों में तो ग्रामीणों को पीने के पानी के अलावा इस्तेमाल के लिए भी पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल रहा है, जिसकारण दिक्कत ज्यादा बढ़ रही है। वहीं स्कूलों की छुट्टियों के चलते घरों में बच्चों के नहाने घोंने व पीने के लिए पानी की खपत अधिक बढ़ गई है। बढ़ते तापमान में बिजली व पानी ही एक लोगों का सहारा हैं और वो भी अगर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न हो तो जले के नमन जैसा अहसास होता है, इसलिए सरकार व प्रशासन को मूलभूत सुविधाओं को सुचारू रूप से संचालन करना चाहिए, जिससे लोगों को राहत मिले सके।

हवा के गर्म थपेड़ों एवं लू से करें बचाव, रसीले फलों का करें ज्यादा सेवन

डॉ. मणिका धुवा के मुताबिक 42-43 डिग्री से ऊपर पारा होते ही शरीर का तापमान असंतुलित होने लगता है। शरीर तेजी से गरम होगा, पसीना निकलना बंद हो जाएगा, ऐसे में जरूरी है कि स्वरंग भी लू से बचें और एहतियात बरते हुए अपनी रिक्तन को भी बचाएं। गर्मियों के दौरान लू लगने और रिक्तन की प्रॉब्लम रखने कॉमन होती है। गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़ों और बड़े तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। खासकर खिलाड़ियों, बच्चों, बुढ़े व बीमारों को लू लगने का डर ज्यादा है, ऐसे में गर्मी में खाली पेट ज्यादा पानी से परहेज रखें, रसीले फलों का सेवन ज्यादा करें व अखों को धूप से बचाएं।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में छात्रों पर लाठीचार्ज करना दुर्भाग्यपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ►► गिवाणी

देर शाम हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्रों द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन के बीच हिंसात्मक रूप से की गई लाठीचार्ज की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह बात अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के हरियाणा प्रांत मंत्री राहुल वर्मा ने छात्रों पर किए गए लाठीचार्ज की निंदा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति के नियमों में हूए अनेतिक विद्यार्थी परिषद की विश्वविद्यालय इकाई द्वारा बीते 21 मई को कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया व छात्राओं की मांग से अवगत करवाया गया। हालही में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा एक आदेश जारी किया गया, जिसमें यह उल्लेख किया गया कि केवल 25

■ शिक्षा की समानता और अवसरों की उपलब्धता से भी जुड़ा है विद्यार्थियों के प्रदर्शन का मुद्दा : वर्मा

प्रतिशत छात्रों को ही छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस निर्णय से छात्रों में रोष व्याप्त हो गया। क्योंकि अनेक छात्र ऐसे हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं तथा जिन्होंने उम्मीद की थी कि उन्हें छात्रवृत्ति प्राप्त होगी। वे इस नीति से वंचित रह जाएंगे। इस संदर्भ में अभावपन से छात्रों के हित में आगे बढ़ते हुए कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपा और इस नैतिक निर्णय को वापिस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि बहुत से विद्यार्थी ऐसे हैं, जिनके

लिए छात्रवृत्ति ही शिक्षा जारी रखने का एकमात्र सहारा है। यदि 75 प्रतिशत छात्रों को छात्रवृत्ति से वंचित कर दिया जाएगा तो कई छात्रों को पढ़ाई छोड़नी पड़ सकती है। एबीवीपी के हरियाणा प्रांत मंत्री राहुल वर्मा ने कहा कि यह मुद्दा छात्रवृत्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षा की समानता और अवसरों की उपलब्धता से भी जुड़ा है। छात्रवृत्ति जैसे संवेदनशील मुद्दे पर विश्वविद्यालय प्रशासन को अत्याधिक सतर्क और संवेदनशील रहना चाहिए, लेकिन हुआ इसके विपरीत। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीती रात सभी सीमाओं को लॉचकर लाठियों द्वारा वार करते हुए प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हमला किया। जिसमें कुछ छात्रों के सिर में गहरी चोट आई व अन्य छात्र घायल हुए।

गर्मी ने तेवर किए कड़े, छतों पर रखी प्लास्टिक टंकियों का पानी उबला, एसडीएम ने हीट वेव से बचने की दी सलाह

हरिभूमि न्यूज ►► लोहारू

पिछले तीन चार दिनों से लोहारू और आसपास के इलाके में इन दिनों गर्मी ने अपने प्रचंड रूप धारण कर लिया है। दोपहर के समय तापमान बढ़ने से पढने वाली बदल झुलसा देने वाली गर्मी के कारण बाजारों में रौनक नदारद हो गई है तथा दोपहर के समय बाजार सुनसान दिखाई देते हैं। बढ़ती गर्मी के बीच लोहारू के एसडीएम मनोज दलाल ने लोगों से गर्मी के मौसम में एहतियात बरतने और दोपहर में घर से बाहर नही निकलने की सलाह दी है।

बता दें कि राजस्थान की सीमा के साथ लगते थार मरुस्थल जैसी विशेषताओं वाले लोहारू इलाके में गर्मियों में जून के महीने में तापमान ऊंचाईयां छूने लगता है। नौतपा के नौ दिनों के दौरान मौसम की करवट से तापमान में काफी गिरावट दर्ज हुई थी और मौसम सुहावना हो गया था लेकिन नौतपा बीत जाने के बाद से पिछले करीब चार दिनों से इलाके में गर्मी ने अपने तेवर एक बार फिर से अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। जेठ

दोपहर के समय तापमान बढ़ने से झुलसा देने वाली गर्मी के कारण बाजारों में रौनक नदारद



माह बीत चुका है और गुरुवार से आषाढ़ माह की शुरुआत हो गई। जावजुद इसके तापमान में कोई कमी नहीं आई है। दिन के समय चलने वाली लू के थपेड़े पैदल राहगीरों और दुग्धिया वाहन चालकों को काफी परेशान कर रहे हैं। लोगों कहना है कि दिन के समय छतों पर रखी टंकियों का पानी भी उबलने लगा है। वहीं दोपहर में खुले में खड़ी बाईक की सीट पर बैठना तक मुश्किल हो गया है।

हीट वेव से स्वयं को बचाने का करें प्रयास: एसडीएम

बढ़ती गर्मी के बीच एसडीएम मनोज दलाल ने एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों से हीट वेव से स्वयं को बचाने को अपील की है। उन्होंने कहा कि हीट वेव से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें। गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढक कर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें। उन्होंने लोगों को नंगे पैर बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है वहीं उन्होंने खेतों में काम करने वाले किसानों से भी सावधानी बरतने की अपील की है।

विनम्रता और सेवाभाव है असली जीवन - विकास

भिवानी। दा रेवन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन हरियाणा के राज्य उप प्रधान विकास राठी ने कहा कबीर को संत कबीर दास के नाम से जाना जाता है, जिसमें /"संत/" का अर्थ /"संत/" और /"दास/" का अर्थ विनम्रता या सेवाभाव है। उनके भजन और दोहे विभिन्न ग्रंथों में संकलित किए गए हैं और हम सब को उनका पाठ और आदर करना चाहिए। संत कबीर की शिक्षाओं और उनके द्वारा प्रचारित प्रेम, एकता और भक्ति के मूल्यों पर चिंतन करने का यह सही समय है। संत कबीर 15वीं सदी के भारतीय कवि-संत, दार्शनिक और रहस्यवादी थे, जिनकी शिक्षाओं का भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं पर स्थायी प्रभाव पड़ा है। उनका जीवन और कार्य सब समुदायों, धर्मों को प्रेरित करता है।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत की बैठक

■ एआईसीसी राष्ट्रीय सचिव एवं भिवानी जिला के पर्यवेक्षक मनोज चौहान ने लिए कार्यकर्ताओं के सुझाव

हरिभूमि न्यूज ►► गिवाणी

हरियाणा में कांग्रेस संगठन को पुनः मजबूती से खड़ा करने की गतिविधियां तेजी से शुरू हो गईं। जिसके तहत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं नेता विपक्ष राहुल गांधी की दिशा-निर्देशानुसार संगठन सृजन अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत विधानसभा वाइज कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत बवानीखेड़ा विधानसभा के कार्यकर्ताओं की अहम बैठक का आयोजन बुधवार को करवा बवानीखेड़ा की ओड धर्मशाला में किया गया। बैठक की अध्यक्षता एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव एवं भिवानी जिला के पर्यवेक्षक मनोज चौहान ने



की। बैठक को एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल, हरियाणा कांग्रेस पर्यवेक्षक अनिल, पूर्व विधायक विधायक सुभाष देशवाल एवं धर्मबीर कौलख ने भी संबोधित किया तथा कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वक्तव्य सभी कार्यकर्ताओं से अलग-अलग मिले तथा उनके सुझाव लिए। बैठक को संबोधित करते हुए एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव एवं भिवानी जिला के पर्यवेक्षक मनोज चौहान ने बताया कि बैठक में संगठनात्मक मजबूती को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें कार्यकर्ताओं को संगठन के विस्तार

भिवानी। लोगों को संबोधित करते एक वक्ता।



तोशाम।। अस्पताल का शुभारंभ करवाती जिप चेरपरसन अनिता मलिक।

मरीज की जिंदगी बचाने में चिकित्सक की अहम भूमिका : चेरपरसन

तोशाम। चिकित्सक भगवान तो नहीं लेकिन भगवान से कम भी नहीं होता क्योंकि मरीज की जिंदगी बचाने में चिकित्सक की अहम भूमिका होती है, जिसको वह बखूबी निभाता है। उक्त शब्द जिला परिषद चेरपरसन अनिता मलिक तथा बुशान डेरे के महंत पूर्ण नाथ ने बुधवार को तोशाम में गंगा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के शुभारंभ के दौरान संयुक्त रूप से कहे। इससे पहले जिला परिषद चेरपरसन अनिता मलिक तथा पूर्णनाथ महाराज का वहां पहुंचने पर विभिन्न लोगों ने फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि बुधवार को तोशाम में सिवाली मार्ग पर स्थित गंगा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर पूर्णनाथ ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की तो जिला परिषद चेरपरसन अनिता मलिक ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। इस दौरान हॉस्पिटल का शुभारंभ पूर्णनाथ महाराज ने रिबन काटकर किया, तत्पश्चात उन्होंने पूरे अस्पताल का निरीक्षण किया।

राजदीप के जजपा का राष्ट्रीय महासचिव बनाने पर खुशी

बाढ़ड़ा। जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन का विस्तार करते हुए पूर्व विधायक राजदीप फौगटा को जजपा का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। राजदीप की नियुक्ति पर पार्टी के जिलाध्यक्ष व जिला पार्षद रविन्द्र चरखी व जिला प्रेस प्रवक्ता राजेंद्र हूई ने जजपा कार्यालय में एकत्रित होकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह गांव बुशान तक अधिकारी पानी नही पहुंचा पाए। किसानों का कहना है कि बिड़ोला, संडवा तक पानी कब पहुंचेगा ये तो विभाग के अधिकारी ही जानें।



माइनर में उगी घास, कैसे हो नहरी पानी पास चार महीनों से पानी न आने के कारण आधा दर्जन गांव में पानी का टोटा

हरिभूमि न्यूज ►► तोशाम

झूलसाने वाली गर्मी में संडवा माइनर में पिछले चार-पाँच महीने से पानी न आने के कारण गाँव बुशान, संडवा, पटोदी व बिड़ोला सहित आधा दर्जन गाँवों के ग्रामीण बूँद-बूँद को तरस रहे हैं। गाँव बुशान, संडवा, पटोदी आदि के ग्रामीण जयबीर सिंह, चंदन सिंह, महेंद्र, सुनील, नरेंद्र, जयसिंह, सतबीर, सुरेंद्र, प्रदीप, कृष्ण व राकेश आदि ग्रामीणों ने बताया कि संडवा माइनर बीरेंद्र सिंह नारायण चक्रवर्ती नहर में से गाँव कतवार व ईशरवाल के बीच मे से निकलती है। गाँव बुशान में से होकर निकलने वाली



संडवा माइनर में फरवरी के महीने में आखिरी बार पानी आया था। उसके बाद बुर्जी नं. उन्नीस हजार तक आज तक पानी नहीं आया है। इसे अधिकारियों की

मनरेगा से भी नहर के घास की सफाई नहीं हुई

गाँमीणों ने बताया कि काफी वर्षों पहले तक विभाग हर साल नहर की सफाई करवाता था जिससे निरन्तर पानी आता था। पिछले चार पाँच सालों से इन सभी गाँवों के सरपंच मनरेगा से घास की कटवाई करके सफाई करवाते थे। जिससे भी किसानों को पानी मिल जाता था लेकिन इस बार मनरेगा से भी नहर के घास की सफाई नहीं हुई और माइनर में दो से तीन फुट मिट्टी मरी हुई है जो पानी के रुकावट में सबसे बड़ी बाधा बने हुए है। इस बारे में जेई विकास ने बताया कि पहले पीछे से ही पानी की कमी थी। अब पानी आया है शायद अगले सप्ताह तक इसमें पानी छोड़ दिया जाएगा।

कमी बनी हुई है लेकिन अब बड़ी नहर में सोलह दिन से ज्यादा पानी आये हुए हो गए, लेकिन अब भी संडवा माइनर में जंगल की तरह घास और सरकंडे और मिट्टी भरि हुई है और प्रभावशाली बन सके। उन्होंने जिला अध्यक्ष पद के लिए योग्य दावेदारों की समीक्षा की तथा सभी से निष्पक्ष सुझाव भी आमंत्रित किए गए।